

[श्री मनोहर लाल]

स्वदेशी मिल में और उस को न निपटाने की वजह से इतनी जानें गई हैं। ग्राम्यस महोदय, यह बहुत ही सीरियस मैटर है।
... (व्यवधान...)

MR. SPEAKER : I am on my legs. Anybody wanting to discuss anything about questions may kindly come over to my Chamber and we will discuss it. Here I cannot give you answers because I do not remember what happened to your question. Therefore, if you want to discuss anything you are always welcome to my Chamber for discussion. If necessary, we can revise it. Certainly we will do that but here I am not in a position to give answers because many of the things are decided by the Secretary and, even if I decide, I cannot remember it. Therefore, there is no point in your raising it here at all.

श्री मनोहर लाल : यह सवाल नहीं है। हम ने साफ़ लिखा है लेबर डिपार्टमेंट के बारे में कि उन से वक्तव्य मांगा जाए लेकिन आज जो जवाब दिया जा रहा है, वह गृह मंत्रालय दे रहा है। इस में श्रम विभाग बिल्कुल फेल्योर रहा है। इस को आप देख लीजिए, हम ने साफ़ लिखा है। ... (व्यवधान)

श्री रामनरेश कुशवाहा (सलेमपुर) : मेरा व्यवस्था का प्रश्न है। मैंने एक प्रश्न दिया था, जिस का मुझे लिखित उत्तर मिला है। मेरा जो प्रश्न था, आप के कार्यालय में जो प्रश्न विभाग है, उस ने मेरे सवाल की पूरी भावना को ही बदल दिया है। प्रश्न हमारा यह था कि क्या गृह मंत्री जो यह बताने की कृपा करेंगे कि गत तीस सालों में केन्द्रीय सरकार के कितने कर्मचारियों को हिन्दी पढ़ाई गई तथा कितने कर्मचारी अभी तक हिन्दी नहीं जानते? हमारे प्रश्न के तीस वर्ष को बदल कर तीन वर्ष कर दिया गया और इस तरह हमारे प्रश्न की पूरी भावना को भी मार दिया गया। इन तीस वर्षों में

सरकारी कर्मचारी हिन्दी पढ़ते रहे हैं और जब इतने सारे कर्मचारियों ने हिन्दी पढ़ ली है फिर भी हिन्दी में काम नहीं होता है। यह प्रश्न की भावना थी जिसको बदल दिया गया।

MR. SPEAKER : It is better that you come and discuss. If you ask information for the last 30 years, that question will be disallowed. The Rule provides that the question which cannot be easily answered will not be answered. Nobody can collect information for the last 30 years. Probably the office has helped you by reducing it to three years. If you do not want, you leave the question because 30 years will not be allowed at all.

श्री रामनरेश कुशवाहा : इस प्रश्न के द्वारा हमारा कहना यह था कि पिछले तीस वर्षों में 80 परसेंट सरकारी कर्मचारी हिन्दी पढ़ चुके हैं, फिर अंग्रेजी में काम क्यों हो रहा है? इसको बदल दिया गया।

MR. SPEAKER : Anybody can come to me and discuss with me.

12.11 hrs.

PAPER LAID ON THE TABLE

ANNUAL REPORT OF ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES NEW DELHI FOR (1976-77)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI JAGDAMBI PRASAD YADAV) : I beg to lay on the Table a copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the All India Institute of Medical Sciences, New Delhi, for the year 1976-77 under Section 19 of the All India Institute of Medical Sciences Act, 1956.

Placed in the Library. See No. LT-1296/77